Denmart agribusiness

नमस्कार

डेनमार्ट एग्री बिजनेस (मृदा कायाकल्प)

मे आपका स्वागत है

रासायनिक खेती के दुष्परिणाम

1. बंजर ज़मीन
2. लागत अधिक
3. फसलो का उचित मूल्य ना मिलना
4. स्वास्थ्य का खराब होना और रोगो मे वृद्धि होना
5. मिट्टी से बॅक्टीरिया का समाप्त होना
6. मिट्टी से केचूओ का समाप्त होना

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प

जैविक खाद नही, आयुर्वेदिक जैविक खाद

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प के साथ करे

100% आयुर्वेदिक जैविक खेती

Denmart agribusiness

कठोर लेकिन कड़वा सच

आज भारत देश का शायद ही ऐसा कोई किसान भाई होगा
जिसने जैविक खेती का नाम नही सुना होगा,
फिर भी अधिकांशतः किसान भाई रासायनिक खेती पर निर्भर है..

ऐसा क्यो....????????????????

ऐसा क्यों है की सिर्फ़ 20-30% किसान भाई ही

जैविक खेती कर पा रहे हैं,

इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण है की

आज किसान भाईयों के पास ऐसी कोई सस्ती, सरल,

सुलभ व टिकाऊ जैविक पद्धति नही है

जो किसान भाईयों का खर्च भी बचा सके

उसके साथ साथ उत्पादन भी कम न हो,

Denmart agribusiness

खेती में बढ़ती इन समस्याओं जैसे रासायनिक खाद

एवं दवाओं का बढ़ता खर्च,

कम उत्पादन,मिट्टी का खराब होना,

पानी की समस्या,

पहली बार से 100% जैविक खेती नही कर पाना,

सिचाई की समास्या,अंतिम उत्पाद की गुडवत्ता में कमी आना,

फलो, सब्जियों का सही रेट नही मिलना इत्यादि।

आईये अब जानिए

इन सारे समस्याओ का निदान

और हमारा 20 वर्षो का अनुसंधान

"श्री गंगा गायत्री गौ विज्ञान अनुसंधान ट्रस्ट " के मुख्य गौ वैज्ञानिक और आयुर्वेदिक चिकित्सक श्री प्रभुनाथ मिश्रा

और उनके सहयोगियो ने मिलकर एक आयुर्वेदिक जैविक खाद का निर्माण किया

जिसका नाम है---- मृदा कायाकल्प

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प के मुख्य घटक है---

गोबर, गौमूत्र, मिट्टी, आयुर्वेदिक औषधि और जड़ीबूटियाँ

मृदा कायाकल्प एक अद्भुत आयुर्वेद के रासायनिक (जैविक रसायन) का विशेष मिश्रण है जिसमे विटामिन्स, प्राइमरी , मेक्रो एवं माइक्रो न्यूट्रियेंट्स , एंजाइम्स , बैक्टीरिया और हार्मोंस भी है उसके अलावा बहुत सारे अनुसंधान किए गए तत्व है

अब जानिए मृदा कायाकल्प में पाए जाने वाले घटक(इंग्रीडिएंट्स) की जानकारी

मृदा कायाकल्प

मे पौधों को ज़रूरी सभी प्राइमरी, मेक्रो और माइक्रो न्यूट्रियेंट्स समाहित है जैसे यूरिया, यूरिक एसिड नाइट्रोजन,आक्सीजन , कार्बन ,सिलिकान , मैग्नीशियम, पोटेशियम, फास्फेट, सल्फेट, सल्फर, अमोनिया, सोडियम, कॉपर, आयरन, मैंगनीज, कैल्शियम, जिंक, मोलिब्डेनम, क्लोरीन इत्यादि, उसके साथ- साथ विटामिन ए, बी, सी, डी, ई, भी पाए जाते हैं। उसके साथ साथ मृदा कायाकल्प का इस्तेमाल करने पर पौधों को अतिआवश्यक तत्व जो हवा और पानी के माध्यम से लिए जाते है जैसे हाइड्रोजन और आक्सीजन उन्हे लेने मे भी विशेष मदद मिलती है

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प में बहुत सारे बैक्टीरिया जैसे राईजोबियम एवं इसके अलावा कई सारे बैक्टीरिया का विशेष समायोजन किया गया है जिसके माध्यम से पौधो में स्वत: विकास करने की क्षमता विकसित होती है और साथ साथ बैक्टीरिया मृदा सुधार में अहम योगदान निभाता है।

Denmart agribusiness

क्या आपने कभी सोचा है की वन में इतने सारे पेड़ पौधे होते है लेकिन वहाँ कोई भी व्यक्ति रासायनिक खाद डालने नही जाता है फिर भी वहां फल- फूल होते हैं क्योंकि वहाँ की मृदा में ह्यूमस होता है, और वही ह्यूमस "मृदा कायाकल्प" आपकी मृदा मे लगातार 1 -2 साल इस्तेमाल होने के बाद प्राकृतिक रूप से पैदा करता है और उसके बाद तो आपकी जमीन पूरी तरह से उपजाऊ बन जाएगी।

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प के उपयोग से पौधे को ज़रूरी सभी एंजाइम की प्राप्ति होती है और जो अंतिम उत्पाद बनकर आता है उनमे परीक्षण करने पर एंजाइम भरपूर मात्रा मे मिलता है

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प का सबसे महत्वपूर्ण गुण मृदा मे ह्यूमस को बनाना है जिसे आम भाषा मे जैव मृदा भी कहते है ।

जैव मृदा को आपके खेतों मे कम से कम समय मे उत्पन्न करने वाला भारत का एकमात्र उत्पाद है जिसके इस्तेमाल से "रासायनिक खाद" के कारण मिट्टी मे आई हुई खराबी भी दूर होती है

मृदा कायाकल्प भारत का एकमात्र उत्पाद है जिसमे इतने सारे तत्व व आयुर्वेदिक औषधि (जैविक रसायन) का समागम है। जिसे किसान भाइयों को सस्ते से सस्ते मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसे भारत का प्रत्येक किसान भाई अपनाकर पहली बार से शत प्रतिशत जैविक खेती कर सकता है

Denmart agribusiness

किसान भाई जिस दिन से मृदा कायाकल्प का उपयोग शुरू कर देता है उस दिन के बाद एक भी रासायनिक खाद डालने की ज़रूरत नही पड़ती है और पहली बार से किसान भाई पूर्णरूप से 100% जैविक खेती कर सकता है, जो इससे पहले आज तक संभव नही था वो विज्ञान के बढ़ते प्रयोग और कुछ लोगो के जुनून ने वो करके दिखाया जिसकी आज भारत देश के प्रत्येक किसान भाई को ज़रूरत है

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प के प्रयोग से खेतो मे केचूए का आगमन होता है

मृदा काया कल्प के उपयोग से खेत की मिट्टी मे सुधार होते होते 1 साल के बाद ही बरसात के समय केंचुआ आने की शुरुआत हो जाती है और 2-3 सालों में केंचुओं का ढेर लग जाएगा जिससे आपकी मिट्टी में केंचुआ खाद स्वत: ही निर्मित हो जाएगा और उसके बाद तो आपको मृदा काया कल्प की भी ज़रूरत नही पड़ेगी

मृदा कायाकल्प कीट और रोगों को नियंत्रण भी करता है

मृदा काया कल्प फसलों को उसका भोजन पर्याप्त मात्रा मे दिलवाता है जिससे पौधा मजबूत बनता है और पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। उसके साथ साथ मृदा काया कल्प प्राकृतिक कीट एवं रोग नियंत्रक का कार्य करता है । मृदा कायाकल्प में गौमूत्र एवं अन्य द्रव्य और तत्व होने के वजह से ये खाद और दवा दोनो का काम करता है , अगर आप शुरुआत से इसका बराबर स्प्रे करते है तो 70-80% संभावना है की कीट और रोग नही आएँगे

Denmart agribusiness

मृदा कायाकल्प से आर्थिक दृष्टि से किसानो को होने वाले लाभ

ए1. आयुर्वेदिक जैविक खेती से किसानो को उत्पादन मूल्य बढ़कर मिलता है.

2. प्रति कड़ फसलो का उत्पादन अधिक होने से किसानो की आय मे वृद्धि होती है.

3. फसल की गुणवत्ता अच्छी होने के क्राण निर्यातक मूल्य अधिक मिलता है.

4. खेती मे सबसे महत्वपूर्ण होती है मिट्टी, जो मृदा कायाकल्प के प्रयोग से होने सोना उगलती है.

.5. श्रमिक खर्च मे कमी आती है.

6. सिंचाई व्यावस्था मे आसानी होती है.

7. रसायनो और अन्य रासायनिक खादो के खर्च से किसानो को निजात मिलता है.

धन्यवाद

ज़्यादा जानकारी के लिए संपर्क करे --- डेनमार्ट एग्री बिजनस

WEBSITE - WWW.DENMARTAGRIBUSINESS.COM
EMAIL - admin@denmartagribusiness.com
HEAD OFFICE – MANENDRAGARH DIST. - KORIYA
CHHATISGARH (497442)